>

Title : Pollution of holy rivers and lakes of the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान देश की पवित्र नदियों के, देश के अंदर अनियोजित, अवैज्ञानिक औद्योगिक विकास के कारण प्रदूषित होने की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। आज सभी प्रमुख समाचार-पत्रों ने पवित्र गंगा नदी के प्रदूषण के बारे में हम सब का ध्यान आकर्षित किया है। देश की आत्मा पवित्र गंगा नदी है और भारत सरकार ने राष्ट्रीय नदी के रूप में हाल ही में उसे संरक्षित करने की घोषणा भी की थी। गंगा प्रदूषण से मुक्त हो, इस संबंध में कोई प्रभावी कदम उठ पाए हैं, इसकी हम लोगों को कोई जानकारी नहीं हो पाई।

सभापति महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र जनपद गोरखपुर के अंदर बहने वाली एक पवित्र नदी आमी की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। संत कबीर नगर से गोरखपुर जनपद में यह नदी प्रवेश करती है और गोरखपुर जनपद की यह एक लाइफ लाईन कही जाती थी। इस नदी के किनारे उन्नत पशुपालन और खेती होती थी। लेकिन संत कबीर नगर के रूधोली और खलीलाबाद तथा गोरखपुर के गीड़ा के कुछ औद्योगिक इकाइयों का कचरा इस नदी में फेंकने के कारण आज यह नदी केवल कचरा वाहक के रूप में वहां पर रह पाई है और अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है। इस संबंध में शासन एवं प्रशासन के मौन को देखते हुए स्थानीय जनता बहुत दिनों से इसके लिए मांग कर रही थी कि इसे प्रदूषण से मुक्त किया जाए। स्थानीय नौजवानों ने आमी बचाव मंच का गठन भी किया, लेकिन उनके लोकतांत्रिक आंदोलन को वहां जबरन दबाने का प्रयास हो रहा है। उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज हुए हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि आमी जैसी पवित्र नदियां गंगा यमुना या हमारी जितनी भी पवित्र नदियां हैं, उन सब को प्रदूषण से मुक्त करने के साथ-साथ इन नदियों को संरक्षित करने, प्रदूषण से मुक्त करने के लिए जो स्वयं सेवी संगठन आगे आए हैं, उन पर दर्ज हो रहे फर्जी मुकदमों को वापस लिया जाए और इन नदियों को प्रदूषण से मुक्त किया जाए।